समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

आयुर्वेद के माध्यम से सेवा का संकल्प : डॉ. पियुष लहू बागल की प्रेरणादायक चिकित्सा यात्रा

Sanket Morankar Published on 01 Jan 2026

हर माता-पिता का सपना होता है कि उनका बच्चा शिक्षित होकर न केवल सफल बने, बल्कि उन्हें दिए गए संस्कारों और मूल्यों को भी जीवन में उतारे। जब कोई युवा इन्हीं मूल्यों के साथ समाज सेवा को अपना लक्ष्य बनाता है, तो वह एक आदर्श व्यक्तित्व का उदाहरण बन जाता है। **डॉ. पियुष लहू बागल** ऐसी ही एक प्रेरणादायक यात्रा का नाम हैं—जो परंपरा, अनुशासन और सेवा भावना से सशक्त रूप से जुड़ी हुई है।

डॉ. पियुष बागल का जन्म पंढरपुर तालुका के **गडेगांव** गांव में एक किसान परिवार में हुआ। यह क्षेत्र स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत के लिए जाना जाता है। ग्रामीण परिवेश, सादगी और मजबूत नैतिक संस्कारों के बीच पले-बढ़े डॉ. बागल के मन में बचपन से ही एक स्पष्ट लक्ष्य था—**डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना**।

डॉ. बागल ने अपनी प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा पंढरपुर में ही पूरी की, जहां वे अपने मामा के यहां रहकर पढ़ाई करते थे। उनके माता-पिता की भी यही प्रबल इच्छा थी कि बेटा चिकित्सक बने। इसी साझा सपने को साकार करते हुए वर्ष **2016 मे उन्होंने पुणे स्थित भारती विद्यापीठ कॉलेज ऑफ आयुर्वेद** में **B.A.M.S. (Bachelor of Ayurvedic Medicine and Surgery)** में प्रवेश लिया।

पुणे, जिसे आयुर्वेद का वैश्विक केंद्र माना जाता है, वहां अध्ययन करना उनके लिए जीवन बदलने वाला अनुभव साबित हुआ। आयुर्वेद की समृद्ध परंपरा और प्रसिद्ध वैद्यों की विरासत ने उन्हें इस प्राचीन चिकित्सा पद्धति से और गहराई से जोड़ा।

अपने पहले ही वर्ष से डॉ. बागल ने विभिन्न आयुर्वेदिक अस्पतालों में जाकर क्लिनिकल ऑब्जर्वेशन शुरू कर दिया। यहां उन्होंने आयुर्वेदिक उपचारों के चमत्कारी और स्थायी परिणामों को प्रत्यक्ष रूप से देखा। इन अनुभवों ने उनके मन में यह दृढ़ विश्वास पैदा किया कि आयुर्वेद न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक स्तर पर भी रोगियों को स्वस्थ कर सकता है।

चिकित्सा क्षेत्र में गुरु का मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। डॉ. पियुष बागल को यह सौभाग्य **प्रख्यात आयुर्वेदाचार्य डॉ. हरीश पाटणकर**, संस्थापक **Kayayurveda**, के रूप में प्राप्त हुआ। उनके सान्निध्य में डॉ. बागल ने शुद्ध आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति की गहरी समझ विकसित की और अपने क्लिनिकल कौशल को निखारा।

Aarogyajyoti Ayurveda: एक दृष्टि का साकार रूप

अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद डॉ. बागल ने अपने मूल स्थान लौटकर सेवा करने का संकल्प लिया। इसी भावना के साथ उन्होंने **पंढरपुर**, भगवान विठ्ठल की पावन भूमि पर **Aarogyajyoti Ayurveda & Panchakarma Clinic** की स्थापना की। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस क्लिनिक का विधिवत उद्घाटन **10 मई 2024** को हुआ।

डॉ. बागल के लिए Aarogyajyoti केवल एक क्लिनिक नहीं, बल्कि आयुर्वेदिक ज्ञान के माध्यम से स्वास्थ्य पुनर्स्थापन का एक मिशन है।

डॉ. पियुष बागल को अपने गुरु के साथ कार्य करते हुए चार वर्षों का व्यापक क्लिनिकल अनुभव प्राप्त हुआ है। उन्होंने महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों में मरीजों की सेवा की। इसके साथ ही **6 से 10 अगस्त 2023** के दौरान दुबई में आयोजित **Ayurvedic Cosmetology & Trichology Workshop** में भाग लेकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी आयुर्वेद का प्रतिनिधित्व किया और अन्य वैद्यों को मार्गदर्शन प्रदान किया।

समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वे प्रत्येक पखवाड़े की एकादशी पर **नामदेव पायरी, श्री विठ्ठल-रुक्मिणी मंदिर, पंढरपुर** में आयोजित निःशुल्क आयुर्वेदिक स्वास्थ्य जांच एवं उपचार शिविरों में विशेषज्ञ चिकित्सक के रूप में सेवा देते हैं। ये शिविर **श्री सद्गुरु विश्वनाथ महाराज रुकडिकर ट्रस्ट, कोल्हापुर** द्वारा श्रद्धालुओं के लिए आयोजित किए जाते हैं।

डिजिटल युग को समझते हुए डॉ. बागल ने सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को भी आयुर्वेद जागरूकता का माध्यम बनाया है। वे अपने **YouTube चैनल** के जरिए सामान्य रोगों के घरेलू उपाय और आयुर्वेदिक समाधान साझा करते हैं। साथ ही विभिन्न पॉडकास्ट्स में भाग लेकर युवाओं तक आयुर्वेद को सरल और प्रभावी रूप में पहुंचा रहे हैं।

वर्ष 2024 से डॉ. बागल पंढरपुर और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों का आयुर्वेदिक उपचार कर रहे हैं। Aarogyajyoti Ayurveda के माध्यम से उन्होंने स्थानीय नागरिकों के लिए निःशुल्क चिकित्सा शिविर भी आयोजित किए हैं। इसके अतिरिक्त वे पुणे में विज़िटिंग प्रैक्टिस जारी रखते हुए अपनी सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं।

डॉ. पियुष लहू बागल के इस समर्पित कार्य और उपलब्धियों को सम्मानित करते हुए उनका चयन "**Maharashtra Business Icon 2025 / Maharashtra Style Icon 2025 / Maharashtra Fashion Icon 2025**" जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए किया गया है। यह सम्मान **Reseal.in** एवं **India Fashion Icon Magazine** द्वारा प्रदान किया जा रहा है। यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है।

इस भव्य पुरस्कार समारोह में बॉलीवुड और मराठी सिनेमा की जानी-मानी हस्तियां—**सुश्री वर्षा उसगांवकर**, **सुश्री सोनाली कुलकर्णी** और **सुश्री प्रार्थना बेहरे**—अपनी विशेष उपस्थिति दर्ज कराएंगी।

यह आयोजन **श्री सुधीर कुमार पठाडे**, संस्थापक एवं CEO, **Reseal.in (Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd.)** के नेतृत्व में संपन्न हो रहा है, जो महाराष्ट्र के उभरते उद्यमियों और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के लिए प्रसिद्ध हैं।

डॉ. पियुष लहू बागल की यात्रा चिकित्सा, सेवा और सांस्कृतिक संरक्षण का सुंदर संगम है। उनका जीवन मंत्र—

"**शास्त्र ज्योति प्रकाशार्थम् |**
आरोग्यज्योति आरोग्यार्थम् ||"

—उनके कार्यों में स्पष्ट रूप से झलकता है। आयुर्वेद को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का उनका संकल्प आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which

effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.